कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B^{++}) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:सितम्बर-2026



उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :



दिगंत-ई-पत्रिका:सितम्बर-2026

संरक्षक मण्डल



परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक



श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल



प्रो. ओम प्रकाश सिंह

प्राचार्य

प्रधान सम्पादक



डॉ. सुभाष चन्द्र

संयोजक



डॉ. विभा सिंह

सदस्य

सम्पादक समिति



डॉ. प्रियंका सिंह

सदस्य

सम्पादक समिति



श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव

तकनीकी सहायक

September-2026



कार्यक्रम-विवरण

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	01.09.2026 मंगलवार	समाजशास्त्र विभाग	स्नातक एवं परास्नातक प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	1
2	02.09.2026 बुधवार	प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग	नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	2
3	02.09.2026 बुधवार	वाणिज्य विभाग	विद्यार्थियों के करियर मार्गदर्शन	3
4	05.09.2026 शनिवार	बी.एड. विभाग	शिक्षक–शिक्षा विभाग में मनाया गया शिक्षक दिवस	4
5	05.09.2026 शनिवार	बी.सी.ए. विभाग	शिक्षक दिवस के अवसर पर 'शिक्षण कौशल प्रतियोगिता–2026' का आयोजन	5
6	07.09.2026 सोमवार	राजनीति विज्ञान विभाग	अकादमिक लेखन कौशल पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन	6
7	08.09.2026 मंगलवार	वाणिज्य विभाग	नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम (अभिविन्यास कार्यक्रम)	7
8	10.09.2026 वृहस्पतिवार	IQAC, कम्प्यूटर विज्ञान एवं बी.सी.ए. विभाग	"AI Literacy" विषयक पाँच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ	8–9
9	11.09.2026 शुक्रवार	शिक्षाशास्त्र विभाग	आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत	9
10	15.09.2026 मंगलवार	महाविद्यालय	पाँच दिवसीय "AI Literacy"कार्यशाला का सफल समापन	10–11
11	16.09.2026 बुधवार	बी.एड. विभाग	विश्व ओजोन दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन	11
12	16.09.2026 बुधवार	भूगोल विभाग	अर्न्तराष्ट्रीय ओजोन दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान	12
13.	17.09.2026 शुक्रवार	मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र एवं बी.एड.विभाग	युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के पावन स्मृति में व्याख्यानमाला (प्रथम दिवस)	13

September-2026



14.	17.09.2026 शुक्रवार	महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के आवेदन पत्रों की जाँच हेतु बैठक	14
15.	18.09.2026 शनिवार	राजनीति विज्ञान एवं रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के पावन स्मृति में व्याख्यानमाला (द्वितीय दिवस)	15–16
16.	19.09.2026 शनिवार	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग	महाविद्यालय में 'DNPG Innovathon-2026' वेबसाइट का शुभारंभ	16–17
17.	19.09.2026 शनिवार	राजनीति विज्ञान विभाग	नव प्रवेशित विद्यार्थियों का भव्य स्वागत समारोह	17–18
18.	21.09.2026 सोमवार	प्राणि विज्ञान विभाग	प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में विश्व अल्जाइमर दिवस	18–19
19.	22.09.2026 मंगलवार	समाजशास्त्र विभाग	डिजिटल नेटिव्स : जेन जी और सोशल मीडिया का बदलता स्वरूप'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान	19
20.	23.09.2026 बुधवार	बी.एड. विभाग	शिक्षक–शिक्षा विभाग में प्राचार्य उद्बोधन कार्यक्रम	20
21.	25.09.2026 शुक्रवार	राजनीति विज्ञान विभाग	पं0 दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की समकालीन समय में उपादेयता पर विभागीय संगोष्ठी आयोजित	21
22.	25.09.2026 शुक्रवार	एन.सी.सी.	एन.सी.सी. प्लाटून/यूनिट के द्वारा विश्व नदी दिवस पर कार्यक्रम	22
23.	29.09.2026 शुक्रवार	महाविद्यालय	ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज 57वीं और राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा तथा सर्जिकल स्ट्राइक दिवस के अवसर पर देश की रक्षा में शहीद वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि	23

September-2026



समाजशास्त्र विभाग द्वारा स्नातक एवं परास्नातक प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम



दिनांक 01.09.2026 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में स्नातक एवं परास्नातक प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक परम्परा, अनुशासन और समाजशास्त्र विषय की व्यापकता से परिचित कराना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में मशीनें सूचनाएं तो दे सकती हैं, लेकिन संवेदना का विनिमय मशीनों द्वारा कदापि संभव नहीं है। संवेदना, संस्कार और जीवन–मूल्यों को हम केवल सनातन गुरु–शिष्य परम्परा में ही भली–भांति आत्मसात कर सकते हैं।

कार्यक्रम में आभार ज्ञापन करते हुए समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी प्रो. अर्चना सिंह ने कहा कि यह हम सबके लिए गौरव का विषय है कि विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी परास्नातक में प्रवेश के लिए दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज को ही प्राथमिकता दे रहे हैं।

September-2026

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम





दिनांक 2 सितंबर 2026 को महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा बुधवार को नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इतिहास केवल अतीत की घटनाओं को जानने का विषय नहीं, बल्कि अतीत से प्रश्न करते हुए प्रमाणों के आधार पर वर्तमान को समझने और भविष्य के निर्माण की दृष्टि विकसित करने का माध्यम है।

इतिहास एवं राजनीति के अंर्तसंबध को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, **"इतिहास के बिना राजनीति जड़हीन है, 'जबकि राजनीति के बिना इतिहास फलहीन है।"** उन्होंने विद्यार्थियों को अभिलेख, सिक्के, पुरातात्त्विक अवशेष, स्थापत्य, साहित्यिक ग्रंथ एवं विदेशी यात्रियों के विवरण जैसे स्रोतों के आलोचनात्मक अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

Septem

वाणिज्य विभाग के द्वारा विद्यार्थियों के करियर मार्गदर्शन





दिनांक 02.09.2026 को वाणिज्य विभाग के द्वारा विद्यार्थियों के करियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से ISB&M (International School of Business & Media) पुणे के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विषय "स्नातक के बाद करियर का चयन" था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. कार्तिकेय अशोक, असिस्टेंट प्रोफेसर (मार्केटिंग), ISB&M पुणे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को स्नातक के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने उच्च शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, व्यक्तित्व निर्माण तथा बदलते उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने पर जोर दिया।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि करियर का चुनाव केवल रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि अपनी रुचि, क्षमता, कौशल और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने करियर से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका वक्ता द्वारा समाधान एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

September-2026

महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षा विभाग में मनाया गया शिक्षक दिवस



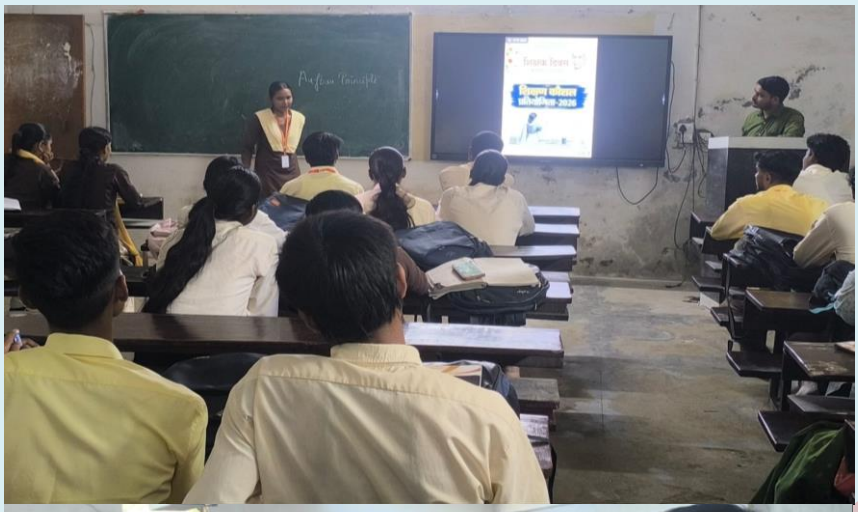
दिनांक 05 सितम्बर 2026 को महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग में प्रशिक्षुओं द्वारा **'शिक्षक दिवस'** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन तथा ज्ञान की देवी माँ सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ ।

इस अवसर पर प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए बी.एड. विभाग के प्राध्यापक डॉ. गोपाल सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण और मार्गदर्शक होता है। एक आदर्श शिक्षक ही विद्यार्थियों के चरित्र का निर्माण कर उन्हें राष्ट्र सेवा के योग्य बनाता है। आपने गुरु शिष्य परम्परा पर प्रकाश डालते हुए एक अच्छे गुरु के विशेषताओं पर विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता हासिल कर चुके विभाग के पुरातन छात्र हर्ष शुक्ला ने अपना अनुभव व्यक्त करते हुए एक अच्छा शिक्षक बनने हेतु प्रशिक्षुओं को अभिप्रेरित किया।

September

शिक्षक दिवस के अवसर पर 'शिक्षण कौशल प्रतियोगिता-2026' का आयोजन





दिनांक 05.09.2026 को शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय, की **'शिक्षण कौशल प्रतियोगिता–2026'** का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम **बी.सी.ए. प्रथम वर्ष** के अभ्यर्थियों के लिए किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र–छात्राओं के शिक्षण कौशल, रचनात्मकता एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षण प्रक्रिया को सिखाना रहा।

प्रतियोगिता में कुल 11 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने शिक्षण कौशल एवं नवीन शिक्षण विधियों का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। प्रतिभागियों ने अपने विषय को सरल, रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर शिक्षण की नवीन तकनीकों का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की अध्यक्षता कर रहे **डॉ आनंद कुमार मिश्र** ने बताया कि **प्रथम पुरस्कार संयुक्त रूप से दीपक पांडेय एवं जूली** को मिला तथा **द्वितीय पुरस्कार अनिकेत तथा तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से युवराज प्रताप सिंह एवं सुप्रिया** को देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक **डॉ पवन कुमार पाण्डेय, डॉ नितेश शुक्ला, अविनाश कुमार, शिखा मिश्रा** एवं गणित और बी. सी. ए. विभाग के समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

September-2026

अकादमिक लेखन कौशल पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन





दिनांक 07.09.2026 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय था– **अकादमिक लेखन कौशलः प्रश्न–प्रारूप और उत्तर–लेखन की विधि**''। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नवप्रवेशित स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों को प्रभावी ढंग से प्रश्नों के उत्तर लिखने, विषय–प्रस्तुतीकरण की क्रमबद्ध विधि और शोध–आधारित लेखन की तकनीकों से परिचित कराना था।

कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए विभाग प्रभारी डॉ. इन्द्रेश पाण्डेय ने अपने वक्तव्य में लेखन कौशल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विषय–प्रस्तुतीकरण के क्रमवार बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि कैसे एक सुव्यवस्थित परिचय, तार्किक क्रम में तथ्यों की प्रस्तुति और निष्कर्षात्मक सारांश लेखन को प्रभावशाली बनाते हैं।

इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने विभिन्न प्रकार के प्रश्न–प्रारूपों–जैसे लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय, विश्लेषणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों–पर प्रकाश डालते हुए प्रत्येक के लिए उपयुक्त उत्तर–लेखन की विधि समझाई। **कार्यशाला के दौरान डॉ. प्रियंका सिंह ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।** उन्होंने शोध–पत्र लेखन, संदर्भ–ग्रंथों के चयन और उद्धरण–पद्धति पर विशेष प्रकाश डाला।

September

वाणिज्य विभाग द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम (अभिविन्यास कार्यक्रम)





दिनांक 08.09.2026 को वाणिज्य विभाग द्वारा नवप्रवेशित बी.कॉम. एवं एम. कॉम. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम (अभिविन्यास कार्यक्रम) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय, वाणिज्य विभाग, पाठ्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों तथा भविष्य के करियर अवसरों से परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों के लिए केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें बदलते हुए बिजनेस सिस्टम, तकनीकी विकास और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ स्वयं को निरंतर अपडेट करना होगा।

डॉ विवेक कुमार शाही, विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आत्म–जागरूकता, व्यक्तित्व विकास एवं प्रभावी संवाद के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। **कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार सिंह ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विभाग के विजन, मिशन, मूल्यों, शैक्षणिक संस्कृति एवं अनुशासन के बारे में जानकारी दी।**

September-2026

महाविद्यालय में "AI Literacy" विषयक पाँच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ





दिनांक 10.09.2026 को महाविद्यालय IBM Learning Links Foundation, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, बी.सी.ए. विभाग एवं IQAC के संयुक्त तत्वावधान में "AI Literacy" विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला आज शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला के प्रथम दिन Learning Links Foundation की AI Trainer फारिया अबरार ने बी.एससी. तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मूल अवधारणाओं से लेकर इसके आधुनिक एवं व्यावहारिक उपयोगों तक की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में AI केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय, संचार, शोध, प्रशासन, मीडिया, रचनात्मक कार्यों तथा विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में इसका प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को Artificial Intelligence एवं Generative AI के बीच अंतर, उनकी कार्यप्रणाली तथा दैनिक जीवन एवं शैक्षणिक गतिविधियों में उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला के प्रारंभ में स्वागत एवं प्रास्ताविकी डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, कॉर्डिनेटर, कंप्यूटर विज्ञान एवं बी.सी.ए. विभाग द्वारा प्रस्तुत की गई। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में AI Literacy विद्यार्थियों के लिए केवल एक अतिरिक्त तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि भविष्य की शिक्षा एवं रोजगार के लिए एक आवश्यक क्षमता बनती जा रही है। इस अवसर पर फारिया अबरार द्वारा IBM एवं Learning Links Foundation के माध्यम से अगस्त माह में आयोजित AI Literacy कार्यशाला में विद्यार्थियों की प्रतिभागिता के प्रमाण–पत्र प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह को प्रदान किए गए।

Septem

कार्यशाला में कंप्यूटर विज्ञान एवं बी.सी.ए. विभाग के शिक्षक कौशल प्रताप सिंह, गौरव पांडे, शिखा मिश्रा, अविनाश कुमार, लक्ष्मण थापा एवं गीता थापा सहित बी.एससी. तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के कुल 214 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया।

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत



दिनांक 11.09.2026 को महाविद्यालय में शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण और समाज के विकास की आधारशिला है। **कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ निधि राय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि** शिक्षाशास्त्र केवल शिक्षण की विधियों का अध्ययन करने वाला विषय नहीं, बल्कि व्यक्ति, शिक्षा और समाज के पारस्परिक संबंधों को समझने वाला व्यापक एवं बहुआयामी विषय है। **विभाग के शिक्षक डॉ श्याम सिंह ने कहा कि** वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप तेजी से परिवर्तित हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा को विद्यार्थी–केंद्रित, समग्र, अनुभवात्मक, कौशल–आधारित एवं बहुविषयक बनाने पर बल दिया है। **डॉ त्रिभुवन मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि** आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर प्रस्तुत कर रही हैं। इसके बावजूद शिक्षक की भूमिका कम नहीं हुई है, बल्कि एक संवेदनशील मार्गदर्शक के रूप में उसकी भूमिका और महत्वपूर्ण हुई है।

महाविद्यालय में पाँच दिवसीय "AI Literacy"कार्यशाला का सफल समापन





दिनांक 15 सितम्बर 2026 को महाविद्यालय में IBM Learning Links Foundation] कंप्यूटर विज्ञान विभाग, बी.सी.ए. विभाग एवं IQAC के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पाँच दिवसीय "AI Literacy" कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मूलभूत अवधारणाओं, Generative AI Prompt Engineering तथा AI के जिम्मेदार एवं व्यावहारिक उपयोग से परिचित कराना था।

कार्यशाला के समापन दिवस पर Learning Links Foundation, IBM की AI Trainer फारिया अबरार ने विद्यार्थियों को Artificial Intelligence के विभिन्न आयामों तथा इसके शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं दैनिक जीवन में बढ़ते उपयोग की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने AI की मूल अवधारणाओं के साथ–साथ Generative AI, Responsible AI, AI Applications Prompt Engineering जैसे महत्वपूर्ण विषयों को समझा।

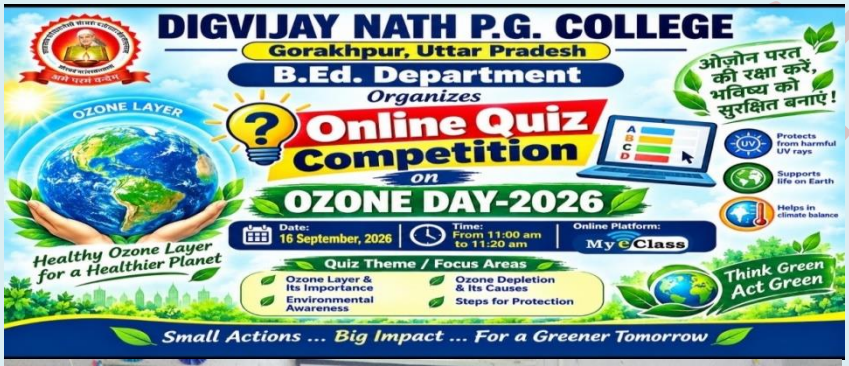
कार्यशाला के समापन अवसर पर **प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि,** "उच्च शिक्षा के वर्तमान परिवेश में विद्यार्थियों के लिए केवल विषयगत ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें तेजी से बदलती तकनीकी परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को तैयार करना भी आवश्यक है। **IQAC समन्वयक, प्रो. परीक्षित सिंह ने कहा कि,** "किसी भी शिक्षण संस्थान में तकनीकी दक्षता को अकादमिक गुणवत्ता से जोड़ना आज समय की आवश्यकता है। AI Literacy कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को केवल नई तकनीक की जानकारी ही नहीं मिली, बल्कि उन्होंने यह भी समझा कि AI को अपने अध्ययन, समस्या–समाधान, शोध एवं रचनात्मक कार्यों में प्रभावी ढंग से कैसे उपयोग किया जा सकता है। **कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रभारी, डॉ. पवन कुमार पाण्डेय ने** कार्यशाला के सफल आयोजन पर

September

प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, "इस कार्यशाला की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि विद्यार्थियों को Artificial Intelligence को केवल एक तकनीकी विषय के रूप में देखने के बजाय उसे सीखने, सोचने, शोध करने और समस्याओं के समाधान के एक प्रभावी साधन के रूप में समझने का अवसर मिला।

कार्यशाला के समापन पर सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। पाँच दिवसीय कार्यक्रम में कंप्यूटर विज्ञान एवं बी.सी.ए. विभाग के शिक्षकों कौशल प्रताप सिंह, गौरव पांडे, शिखा मिश्रा, अविनाश कुमार, लक्ष्मण थापा एवं गीता सहित बी.सी.ए. तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के कुल 184 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। कार्यशाला के सफल आयोजन में दोनों विभागों के शिक्षकों एवं संबंधित सहयोगी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

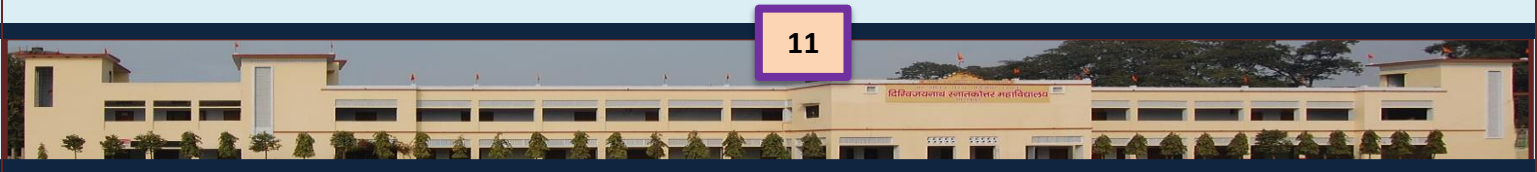
शिक्षक-शिक्षा विभाग में विश्व ओजोन दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन





दिनांक 16.09.2026 को विश्व ओजोन दिवस–2026 के अवसर पर महाविद्यालय के बी.एड. विभाग द्वारा प्रशिक्षुओं में पर्यावरण संरक्षण एवं ओजोन परत के महत्व के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से क्विज प्रतियोगिता का आयोजन Mye Class Academy ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर किया गया।

क्विज प्रतियोगिता में बी.एड. के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में ओजोन परत, पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल तथा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने अपनी पर्यावरणीय विषय–वस्तु संबंधी जानकारी एवं जागरूकता का प्रदर्शन किया। **प्रतियोगिता में प्रशिक्षु आदेश गुप्ता ने प्रथम, अभिषेक कुमार ने द्वितीय तथा अनमोल त्रिपाठी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।**



भूगोल विभाग द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय ओजोन दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान



दिनांक 16.09.2026 को महाविद्यालय गोरखपुर के भूगोल विभाग में अर्न्तराष्ट्रीय ओजोन दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह एवं मुख्य वक्ता डॉ. कमलेश कुमार मौर्य, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग थे। मुख्य वक्ता ने ओजोन परत के क्षरण एवं उसके बचाओं एवं उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ओजोन परत के बचाव हेतु किए जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों एवं समझौतों पर चर्चा अनिवार्य है। इसी उद्देश्य को लेकर सन् 1987 में इसी दिन 197 देशों ने मिलकर मॉन्ट्रियल समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य सी.एफ.सी गैसों पर रोक लगाना था। इन्होंने कहा कि मानव को ओजोन परत के संरक्षण के बचाव के लिए भौतिक सुख–सुविधाओं वाले वस्तुओं का उपयोग कम करना चाहिए। **विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने** इस अवसर पर अपने विचार रखें। उन्होंने कहा कि मानव का अस्तित्व प्रकृति के बिना संभव नहीं है हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए। पश्चिमी देशों के अंधा–धुंध विकास प्रक्रिया ने प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ दिया है, जिसके परिणाम स्वरूप हम ओजोन क्षरण, जलवायु परिवर्तन, कृषि पर नकरात्मक प्रभाव तथा सागरीय जल के स्तर में वृद्धि के रूप में देख रहे है।

September

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के पावन स्मृति में व्याख्यानमाला (प्रथम दिवस)





दिनांक 17.09.2026 को महाविद्यालय में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के पावन स्मृति में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया, जिसका केन्द्रीय विषय 'भारतीय ज्ञान परंपरा और शिक्षा' रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 'बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. राजशरण शाही थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत में शिक्षा की परंपरा पात्रता की परंपरा है। यह परंपरा समाज में व्याप्त सभी प्रकार के विभेदों, विषमताओं और कुरीतियों को समाप्त करने की परंपरा है।

प्राचीन गुरुकुल व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए प्रो. शाही ने कहा कि गुरुकुल की परंपरा में शिष्य को भिक्षाटन भी करना होता था, यह दीनता नहीं बल्कि सीखने की एक महान पद्धति थी। उस समय शिक्षा किसी चहारदीवारी में बंद नहीं थी, बल्कि छात्र को समाज के वास्तविक प्रश्नों, समस्याओं और यथार्थ से जुड़कर सीखने का अवसर प्राप्त होता था। **कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि** हमारे चारों वेद ही भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल अधिष्ठान हैं। हमारे मनीषियों के वैचारिक संगम से ही 108 उपनिषदों की रचना हुई है। भारतीय संस्कृति के प्रतीक की तरह एक दीप से हजारों दीप जलाए जा सकते हैं, यही हमारी ज्ञान परंपरा की विशेषता है।

September-2026

उत्तर प्रदेश छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के आवेदन पत्रों की जाँच हेतु बैठक





दिनांक 17.09.2026 को महाविद्यालय के छात्र कल्याण समिति द्वारा छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना : 2026–27 के आवेदन पत्रों के जॉच हेतु महाविद्यालय स्तर पर गठित टीम की बैठक प्राचार्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम छात्र कल्याण समिति के संयोजक छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी, डॉ. सुभाष चन्द्र ने पीपीटी प्रस्तुतिकरण के द्वारा नवीनीकरण तथा नवीन आवेदन पत्रों के प्रारूप को स्पष्ट किया। उसके उपरान्त विद्यार्थियों के आवेदन पत्रों में जाँच करने वाली महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा छात्रवृत्ति के आवेदन पत्र को जमा करने के पूर्व आवेदन–पत्र तथा उसमें संलग्न प्रमाण पत्रों का मिलान मूल प्रमाण पत्रों से गठित समिति के द्वारा किया जाएगा। समिति के सदस्यों के द्वारा वेरिफाइड फॉर्म को ही महाविद्यालय स्तर से अग्रसारित किया जाएगा।

September

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के पावन स्मृति में व्याख्यानमाला (द्वितीय दिवस)





दिनांक 18.09.2026 को महाविद्यालय के **युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की स्मृति में 'प्राचीन भारत में लोकतंत्र'** विषय पर एक गहन, ज्ञानवर्धक एवं विचारोत्तेजक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में **मुख्य वक्ता प्रो. रिपुसूदन सिंह वरिष्ठ आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ** थे। प्रो. रिपुसूदन सिंह ने युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के शैक्षिक एवं सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनकी दूरदर्शी सोच और संस्थान निर्माण की भावना ने समाज को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण और सामाजिक जागरण का आधार माना।

मुख्य वक्ता ने अपने व्याख्यान में लोकतंत्र की अवधारणा को ऐतिहासिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में समझाया। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, किंतु लोकतांत्रिक विचार और संस्थाओं की जड़ें केवल आधुनिक काल में नहीं, बल्कि प्राचीन भारतीय परंपरा में भी गहराई से विद्यमान रही हैं।

मुख्य वक्ता ने प्राचीन भारत के 16 महाजनपदों, गणराज्यों और विभिन्न राजनीतिक संस्थाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय शासन–व्यवस्था में जनभागीदारी, परामर्श और नेतृत्व–चयन के तत्व मौजूद थे। **वास्तव में भारत को लोकतंत्र की जननी के रूप में देखा जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने लोकतंत्र की भाषाई एवं वैचारिक

September-2026

विविधता पर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भाषा में 'डेमोक्रेसी' शब्द सामान्यतः शासन–प्रणाली के अर्थ में प्रयुक्त होता है, जबकि हिंदी में इसके लिए प्रजातंत्र, लोकतंत्र और जनतंत्र जैसे शब्द प्रचलित हैं। इन शब्दों के अर्थ और भावभूमि में सूक्ष्म अंतर है। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में लोकतांत्रिक चेतना केवल राजनीतिक संस्थाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि व्यक्ति के विचारों, व्यवहार, सामाजिक संबंधों तथा गुरु–शिष्य परंपरा में भी दिखाई देती है। **कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ. प्रियंका सिंह** ने किया। कार्यक्रम के **संयोजक डॉ. विवेक शाही ने उपस्थित अतिथियों, प्राचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त** किया। **अतिथि परिचय राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी, डॉ. इन्द्रेश कुमार** ने किया।

महाविद्यालय में 'DNPG Innovathon- 2026' वेबसाइट का शुभारंभ





दिनांक 19.09.2026 को महाविद्यालय, गोरखपुर में नवाचार, तकनीकी दक्षता, रचनात्मक चिंतन तथा उद्योगोन्मुख परियोजना कार्य को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में 'DNPG Innovathon 2026' वेबसाइट का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय के बीसीए एवं बीएससी कंप्यूटर साइंस विभाग के विद्यार्थियों के लिए विकसित इस वेबसाइट का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस वेबसाइट का निर्माण महाविद्यालय के शिक्षक अविनाश कुमार द्वारा किया गया है।

वेबसाइट के निर्माणकर्ता अविनाश कुमार ने इसके उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि 'DNPG Innovathon 2026' विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट कार्य की पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से समझने और आगे बढ़ाने में सहायता प्रदान करेगी।

अविनाश कुमार ने कहा कि 'DNPG Innovathon 2026' विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच एक प्रभावी अकादमिक सहयोग का मंच भी बनेगी। **कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने 'DNPG Innovathon 2026' वेबसाइट के शुभारंभ पर कंप्यूटर विज्ञान एवं बीसीए विभाग के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को बधाई दी।**

राजनीति विज्ञान विभाग के नव प्रवेशित विद्यार्थियों का भव्य स्वागत समारोह





दिनांक 21.09.2026 महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा नवप्रवेशित एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक हर्षोल्लासपूर्ण स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभागीय एकता, आपसी सौहार्द और शैक्षणिक उत्साह का अनूठा प्रतीक बना रहा।

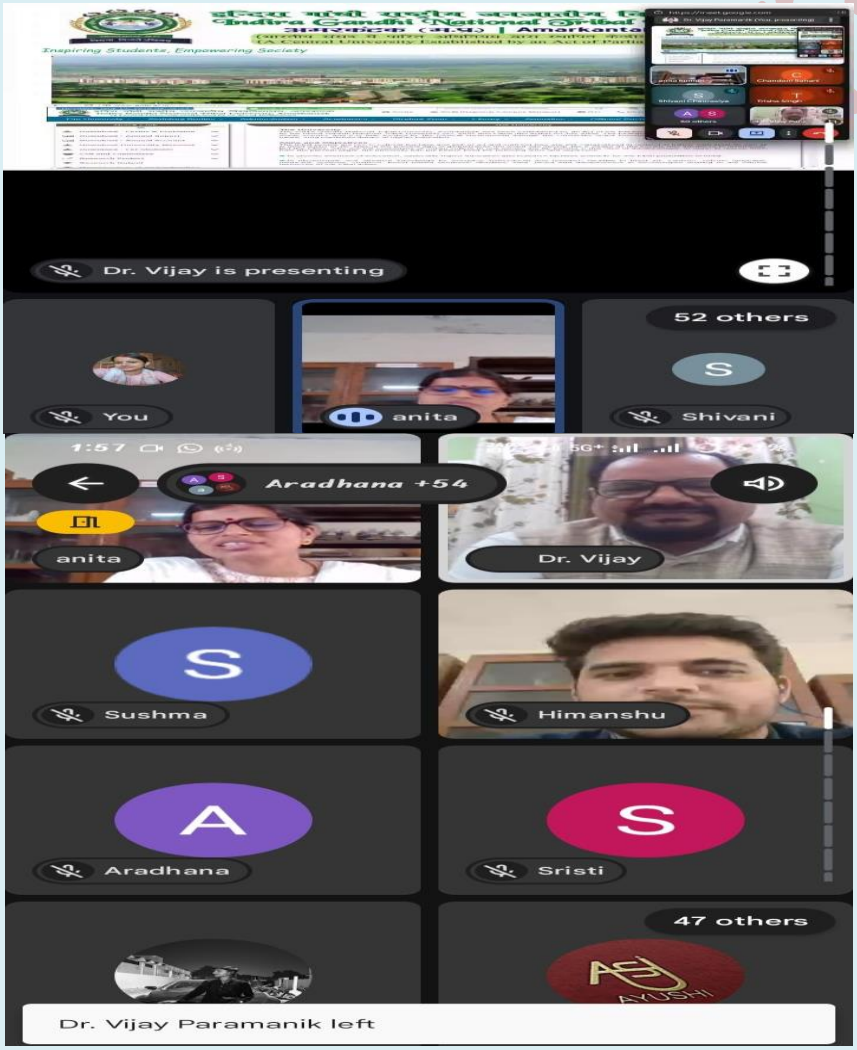
कार्यक्रम की शुरुआत नवप्रवेशित छात्रों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक कैटवाक से हुई, जहाँ प्रत्येक विद्यार्थी ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस सत्र के आधार पर मिस्टर फ्रेशर के रूप में अखिलेश यादव और मिस फ्रेशर के रूप में आस्था सिंह का चयन किया गया, जिन्होंने अपनी सहजता और आत्मविश्वास से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत प्रिया, रीतिका और कृति गौतम ने अपनी मनमोहक नृत्य प्रस्तुति से वातावरण को उत्सवी बना दिया। उनकी कलात्मक प्रस्तुति ने उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया और कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ–साथ चरित्र निर्माण पर भी बल देने की प्रेरणा दी। विभाग प्रभारी डॉ. इंद्रेश पांडे ने अपने आशीर्वादपूर्ण संदेश में जूनियर्स को सीनियर्स से सीखने और विभागीय परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का कुशल और सहज संचालन एम.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र नीतेश एवं हिमांशी ने किया, जिनकी प्रस्तुति शैली ने समारोह को और भी आकर्षक बना दिया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. अखिल श्रीवास्तव एवं श्वेता सिंह सहित एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के सभी विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व अल्जाइमर दिवस



दिनांक 21.09.2026 को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व अल्जाइमर दिवस के अवसर पर बी.एस–सी. बायो के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ विजय प्रमाणिक, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान विभाग, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक थे। उन्होने बताया कि यह स्मृति लोप की बीमारी है। इस बीमारी के कारण इंसान की दिन–प्रतिदिन के

क्रियाकलाप प्रभावित होते हैं और परिणामस्वरुप व्यक्ति और परिवार का आर्थिक नुकसान होता है। उन्होंने अल्जाइमर रोग के विभिन्न प्रकारों, जोखिम कारकों तथा बचाव के लिए अपनाये जाने वाले विभिन्न निवारक उपायों के बारे में जानकारी दी और भारत में अल्जाइमर रोग की व्यापकता पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने किया। प्रो. परीक्षित सिंह, समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी. ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि कहा कि इस बीमारी से बचाव के लिए जन जागरूकता फैलाना अति आवश्यक है। **कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनिता कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर व प्रभारी प्राणि विज्ञान विभाग ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि** इस बीमारी का इलाज संभव नहीं है और इससे बचाव के लिए संतुलित जीवन शैली अपनानी चाहिए।

समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में डिजिटल नेटिव्स : जेन जी और सोशल मीडिया का बदलता स्वरुप'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान





दिनांक 22.09.2026 को महाविद्यालय, के समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में **डिजिटल नेटिव्स : जेन जी और सोशल मीडिया का बदलता स्वरूप**'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि 'एमिटी विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. श्रुति सिंह' थी। उन्होने अपने सारगर्भित व्याख्यान में कहा कि हमारे सामाजिक जीवन, सोच और संबंधों में मीडिया का बहुत ही अहम और निर्णायक योगदान है। उन्होंने मीडिया के विकास को तीन चरणों में विभाजित करते हुए समझाया – पहला 'प्रिंट मीडिया', दूसरा 'ब्रॉडकास्ट मीडिया' (रेडियो, टेलीविजन) और तीसरा तथा सबसे प्रभावशाली 'डिजिटल मीडिया'। **कार्यक्रम का संचालन 'डॉ. सुनील कुमार सिंह' ने किया तथा सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी 'प्रो. अर्चना सिंह' ने किया।**

शिक्षक-शिक्षा विभाग में प्राचार्य उद्बोधन कार्यक्रम





दिनांक 23.09.2026 को महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग में प्राचार्य उद्बोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके उपरांत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह का स्वागत प्रशिक्षु अमन कुमार मिश्रा एवं कलंजय श्रीवास्तव द्वारा माल्यार्पण कर एवं अपूर्वा वर्मा तथा आराध्या द्वारा उपहार स्वरूप पौधा भेंट कर किया गया। स्वागत के इसी क्रम में बी०एड० प्रथम वर्ष की छात्राध्यापिका सिद्धि तिवारी, सना खातून एवं रीतिका ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्राचार्य जी ने नवगठित छात्र परिषद (सत्र 2026–27) को अनुमोदित कर स्वीकृति प्रदान करते हुए समस्त पदाधिकारियों के प्रति अपनी शुभकामना व्यक्त की एवं उन्हें सभी गतिविधियों में प्रतिभाग करने हेतु अभिप्रेरित किया। **कार्यक्रम के दौरान ही विश्व ओज़ोन दिवस–2026 के अवसर पर 'ओजोन संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता' विषय पर आयोजित ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किया गया। इस प्रतियोगिता में बी०एड० प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षु आदेश गुप्ता को प्रथम, अभिषेक कुमार को द्वितीय एवं अनमोल त्रिपाठी को तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु प्रमाण पत्र द्वारा पुरस्कृत किया गया।**

प्राचार्य जी ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में भारतीय दर्शन, शिक्षा के महत्व, सामाजिक मूल्यों तथा वर्तमान समय की चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

September

पं० दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की समकालीन समय में उपादेयता पर विभागीय संगोष्ठी आयोजित





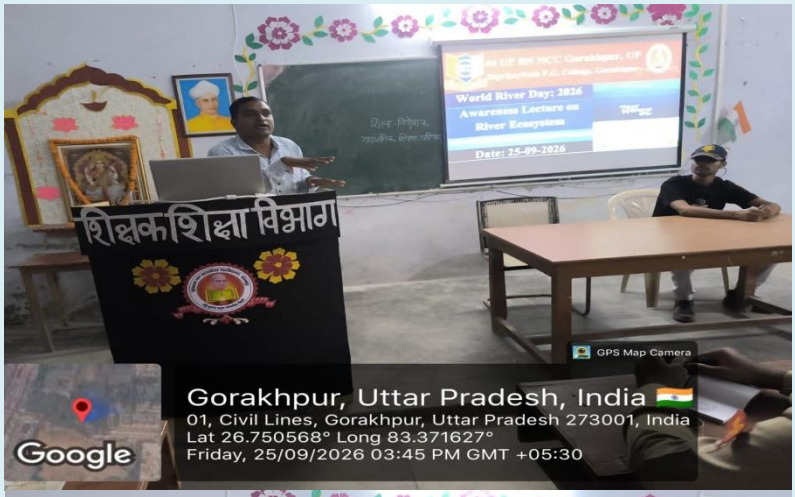
दिनांक 25.09.2026 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा **"पं० दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की समकालीन समय में उपादेयता"** विषय पर एक विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य पं० दीनदयाल उपाध्याय के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विचारों की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता पर विमर्श करना था।

कार्यक्रम में **राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी, डॉ. इन्द्रेश कुमार** ने विषय की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि पं० दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद भारतीय चिंतन परम्परा पर आधारित ऐसी विचारधारा है, जिसमें व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और मानवता के संतुलित विकास पर बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज के समय में सामाजिक समरसता, अन्त्योदय, स्वावलम्बन तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद जैसे उनके विचार अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं।

संगोष्ठी में डॉ. प्रियंका सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पं० दीनदयाल उपाध्याय ने विकास की ऐसी अवधारणा प्रस्तुत की, जिसमें समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है।

September-2026

राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) प्लाटून/यूनिट के द्वारा विश्व नदी दिवस पर कार्यक्रम





दिनांक 25.09.2026 को 44 यूपी वाहिनी एन.सी.सी., गोरखपुर के तत्वावधान में महाविद्यालय गोरखपुर की एन.सी.सी. प्लाटून/यूनिट के द्वारा विश्व नदी दिवस 2026 के अवसर पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के कैडेट्स द्वारा नदी संरक्षण एवं नदी पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'नदी पारिस्थितिकी तंत्र' विषय पर एक विशेष जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एनसीसी कैडेट्स को नदियों के पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराना तथा उन्हें नदी संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए प्रेरित करना था। महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) सुभाष चन्द्र ने पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से 'नदी पारिस्थितिकी तंत्र' विषय पर एक विशेष जागरूकता व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि नदियां केवल जल का स्रोत नहीं हैं, बल्कि वे संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण आधार हैं और मानव जीवन, कृषि, जैव विविधता तथा सभ्यता के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

Septem

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज 57वीं और राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा तथा सर्जिकल स्ट्राइक दिवस के अवसर पर देश की रक्षा में शहीद वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि





दिनांक 29.09.2026 को महाविद्यालय में ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज 57वीं और राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा तथा सर्जिकल स्ट्राइक दिवस के अवसर पर देश की रक्षा में शहीद वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस **श्रद्धांजलि सभा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के वरिष्ठ सदस्य, श्री रामजन्म सिंह** उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि महाराणा प्रताप एवं गोरक्षपीठ की शिक्षा तथा सेवा की परंपरा रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा अवेद्यनाथ जी महाराज जैसे तपस्वियों एवं सैनिकों के त्याग और बलिदान से ही भारत की सुरक्षा एवं सामर्थ्य शक्ति बनी हुई है। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

September-2026